सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 333 | इंदौर, शनिवार 20 जून, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

अब लोकसभा से पास हो जाएगा परिसीमन विधेयक, भाजपा ने कर लिया दो तिहाई बहुमत का जुगाड़: सूत्र

नई दिल्ली, (एजेंसी) विपक्षी दलों में लगातार हो रही टूट की सियासी घटना ने केंद्र की सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) सरकार के हौसलों को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। सरकार में यह भरोसा लगातार बढ़ रहा है कि अगले महीने शुरू होने वाले संसद के मॉनसून सत्र तक वे संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत का जादुई आंकड़ा हासिल कर लेंगे।

द टेलीग्राफ ने अपनी एक रिपोर्ट में एक केंद्रीय मंत्री के हवाले से बताया, 'हमें पूरा भरोसा है कि मॉनसून सत्र तक हम महिला आरक्षण को लोकसभा और विधानसभा सीटों के नए परिसीमन से जोड़ने वाले संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए जरूरी संख्या बल जुटा लेंगे।'

एजेंडे पर हैं दो बड़े ऐतिहासिक सुधार

केंद्र सरकार दो बेहद महत्वपूर्ण संविधान संशोधन विधेयकों को संसद से हरी झंडी दिखाने की तैयारी में है, जिनके लिए संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत अनिवार्य है। महिला आरक्षण और परिसीमन। इस कानून के जरिए देश में महिला आरक्षण को लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने और सीमाओं को दोबारा तय करने के लिए परिसीमन की प्रक्रिया से जोड़ा जाएगा।

एक देश-एक चुनाव पर भी भाजपा की नजर

बीजेपी साल 2029 के आम चुनाव से काफी पहले पूरे देश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने का कानून बनाना चाहती है। बीजेपी रणनीतिकारों का मानना है कि एक साथ चुनाव होने से पार्टी को राज्य चुनावों में भी राष्ट्रीय मुद्दों जैसे कि सुरक्षा, संप्रभुता और राष्ट्रीय गौरव पर वोट मांगने का सीधा लाभ मिलेगा।

क्या कहता है सीटों का समीकरण?

540 की प्रभावी संख्या वाली वर्तमान लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत के लिए 360 वोटों की आवश्यकता है। लोकसभा में एनडीए की वर्तमान ताकत 293 है। तृणमूल कांग्रेस (TMC) के 28 में से 20 बागी सांसदों के जुड़ने की उम्मीद है। वहीं, शिवसेना (UBT) के 9 में से 6 बागी सांसदों के आने की संभावना है। इन दोनों को मिलाकर यह आंकड़ा 319 तक पहुंच जाता है, जो अभी भी 360 के लक्ष्य से दूर है। हालांकि बीजेपी के शीर्ष नेताओं ने निजी बातचीत में बताया है कि वह इस बात से पूरी तरह आश्वस्त हैं कि 37 लोकसभा सांसदों वाली समाजवादी पार्टी (SP) सहित कई अन्य विपक्षी दल अगले कुछ हफ्तों में बड़ी बगावत का स्वाद चखने वाले हैं।

डॉ. यादव ने इंदौर में किया सड़क निर्माण कार्य का किया भूमि-पूजन

प्रदेश का सर्वांगीण विकास ही शासन का संकल्प : मुख्यमंत्री

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को इंदौर में आयोजित लोकार्पण व भूमि-पूजन कार्यक्रम में कहा है कि राज्य सरकार ने प्रदेश के सर्वांगीण विकास का संकल्प लिया है और उसी दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि नगर निगम इंदौर ने विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा स्वच्छता अभियान में इंदौर ने देशभर में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अवधि में देश ने विकास के अनेक नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि के प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश और प्रदेश दोनों विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। आज देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा को नई मजबूती मिली है। प्रदेश के सभी 55 जिलों में विकास के विभिन्न मानकों पर निरंतर कार्य कर रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, अधोसंरचना, रोजगार और जनकल्याण के क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है, ताकि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को विकास का लाभ मिल सके।

मुख्यमंत्री अधोसंरचना योजनांतर्गत जोन 8 में सड़क का भूमि-पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इन्दौर के जोन क्रमांक 8 के वार्ड क्रमांक 37 में तुलसी नगर पुलिया से निपानिया तक प्रस्तावित सड़क विकास कार्य और प्राइमरी तथा आंतरिक सीवर लाइन निर्माण कार्य का आज रिमोट से भूमि-पूजन कर शुभारंभ किया। इसमें सड़क निर्माण कार्य की लागत 13.26 करोड़ और प्राइमरी तथा आंतरिक सीवर लाइन निर्माण कार्य की लागत 2.64 करोड़ रुपए है। यह सड़क लगभग 1.30 किलोमीटर लंबी एवं इन्दौर विकास योजना-2021 के अनुसार 30 मीटर चौड़ाई में निर्मित होगी। परियोजना अंतर्गत सीमेंट कंक्रीट सड़क निर्माण, सीवर चैम्बरों का सुदृढ़ीकरण, फुटपाथ निर्माण तथा विद्युत लाइन शिफ्टिंग सहित विभिन्न अधोसंरचनात्मक कार्य किए जाएंगे। सड़क के निर्माण से तुलसी नगर, निपानिया, अंकुर आंगन, राजाराम ऐवेन्यु तथा महालक्ष्मी नगर सहित आसपास के क्षेत्रों के रहवासियों को आवागमन में सुविधा होगी। साथ ही क्षेत्र में यातायात व्यवस्था अधिक सुगम होगी और नागरिकों को बेहतर एवं नई कनेक्टिविटी उपलब्ध हो सकेगी। भूमि-पूजन समारोह की शुरुआत वंदे मातरम् के गायन से हुई। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एवं समस्त जन द्वारा दीप प्रज्वलित कर पूजा-अर्चना की गई। महापौर इंदौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का पुष्प-गुच्छ और तुलसी का पौधा भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, क्षेत्रीय सांसद श्री शंकर लालवानी, क्षेत्रीय विधायक श्री महेन्द्र हार्डिया, श्री मधु वर्मा, श्री रमेश मेंदोला, श्री सुमित मिश्रा तथा संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अमला उपस्थित रहे।

सीएम बोले- मधु भैया को देखते ही भेरूजी आने लगते हैं...

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को इंदौर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी पर चुटीले अंदाज में निशाना साधा। भाजपा विधायक मधु वर्मा की मौजूदगी में मुख्यमंत्री ने मंच से कहा कि मधु भैया ने विपक्ष को ऐसी 'चौपड़' सिखाई है कि वे अभी तक संभल नहीं पाए हैं।

मुख्यमंत्री ने हंसते हुए कहा क्या चारों खाने चित किया... ये है मधु भैया का जलवा। अभी तक होश में नहीं आए हैं। कहां गए भगवान जाने। आपको छोड़कर जनता के बीच क्या-क्या बोलते घूमते रहते हैं, लेकिन इधर नहीं आते। इधर आएंगे तो फिर याद दिला देंगे।

उन्होंने आगे कहा कि मधु भैया को देखते ही भेरूजी आने लग जाते हैं, जिस पर कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने ठहाके लगाए। मुख्यमंत्री का यह बयान अब राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। दरअसल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव वार्ड 37 में तुलसी नगर पुलिया से निपानिया तक प्रस्तावित सड़क विकास कार्य और प्राइमरी तथा आंतरिक सीवर लाइन निर्माण कार्य के भूमि पूजन के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि नगर निगम ने विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा स्वच्छता अभियान में इंदौर ने देशभर में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है और लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। राज्य सरकार ने प्रदेश के सर्वांगीण विकास का संकल्प लिया है और उसी दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अवधि में देश ने विकास के अनेक नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश और प्रदेश दोनों विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। आज देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा को नई मजबूती मिली है। प्रदेश के सभी 55 जिलों में विकास के विभिन्न मानकों पर निरंतर कार्य कर रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, अधोसंरचना, रोजगार और जनकल्याण के क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है, ताकि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को लाभ मिले। तुलसी नगर पुलिया से निपानिया तक प्रस्तावित सड़क निर्माण कार्य की लागत 13.26 करोड़ और प्राइमरी तथा आंतरिक सीवर लाइन निर्माण कार्य की लागत 2.64 करोड़ रुपए है। यह सड़क लगभग 1.30 किलोमीटर लंबी एवं इन्दौर विकास योजना-2021 के अनुसार 30 मीटर चौड़ाई में निर्मित होगी। इसके तहत सीमेंट कंक्रीट सड़क निर्माण, सीवर चैम्बरों का सुदृढ़ीकरण, फुटपाथ निर्माण तथा विद्युत लाइन शिफ्टिंग सहित विभिन्न अधोसंरचनात्मक कार्य किए जाएंगे। मुख्यमंत्री द्वारा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना अंतर्गत 2 हितग्राही को हितलाभ वितरण किया गया।

6 लेन फ्लाईओवर बनेगा

मुख्यमंत्री द्वारा भूमिपूजन समारोह में कनाड़िया रोड से खजराना रोड तक लगभग 1400 मीटर लिंक रोड बनाने की घोषणा की। उन्होंने पूर्वी रिंग रोड से रॉबट चौराहे तक 6 लेन फ्लाईओवर बनाने की घोषणा की। जिसकी अनुमानित लागत लगभग 50 करोड़ रुपए होगी। उन्होंने कहा कि अवैध कालोनियों को वैध करने के लिए भी ठोस कार्य करने के प्रयास करेंगे।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर इंदौर रचेगा इतिहास

25 हजार लोग होंगे शामिल

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर इस वर्ष इंदौर में योग का भव्य महाकुंभ आयोजित होने जा रहा है। नगर निगम इंदौर के 'योगमित्र अभियान' के तहत 21 जून को गोपुर चौराहा पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में करीब 25 हजार लोगों की सहभागिता का लक्ष्य रखा है। इस वर्ष योग दिवस की थीम 'स्वस्थ आयु के लिए योग' निर्धारित की गई है।

मुख्य आयोजन प्रातः 6 बजे से 8 बजे तक होगा, जिसमें शहर की विभिन्न संस्थाओं द्वारा योगासनों की भक्तिमय एवं आकर्षक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इसके बाद सुबह 7 बजे पूरे देश में निर्धारित कॉमन योग प्रोटोकॉल के तहत सामूहिक

योगाभ्यास कराया जाएगा। मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि योग सत्र का संचालन योग प्रशिक्षक राकेश चौधरी और इंदौर की बेटी एवं मिसेज इंडिया-2023 चेतना जोशी द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम में शहर की 70 से अधिक योग संस्थाएं, खेल संगठन, 150 से अधिक सामाजिक संस्थाएं तथा हजारों नागरिक शामिल होंगे। इस आयोजन का सबसे बड़ा आकर्षण विश्व कीर्तिमान बनाने का प्रयास होगा। इसके तहत 10 हजार से अधिक योग साधक एक साथ भ्रामरी प्राणायाम कर नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित करने का प्रयास करेंगे। नगर निगम को उम्मीद है कि यह आयोजन इंदौर को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाएगा। योग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले वरिष्ठ योगाचार्यों, योग खिलाड़ियों और योग प्रचारकों को 'योग अलंकरण' से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान उन लोगों को समर्पित होगा जिन्होंने योग को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कार्यक्रम के दौरान योगमित्र अभियान की अधिकारिक वेबसाइट का शुभारंभ भी किया जाएगा। इस वेबसाइट के माध्यम से नागरिकों को शहर की सभी योगशालाओं, योग प्रशिक्षकों और योग गतिविधियों की जानकारी एक ही मंच पर उपलब्ध हो सकेगी। नगर निगम ने शहरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर योग को जनआंदोलन बनाने और इंदौर को विश्व कीर्तिमान स्थापित करने में सहभागी बनने की अपील की है।

गैस टंकी चोर गिरोह पकड़ाया, 4 चोरों से तीन दर्जन टंकियां बरामद

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर।तेजाजीनगर पुलिस ने गैस टंकियां और अन्य सामान चोरी करने वाले एक शातिर चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 34 घरेलू गैस टंकियां, छह भारी वाहनों की बैटरियां और चोरी की वारदातों में इस्तेमाल किए गए दो पहिया वाहन बरामद किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार गिरोह लंबे समय से सुनसान मकानों, फार्म हाउसों और निर्माणाधीन स्थलों को निशाना बना रहा था। मामले का खुलासा 10 जून 2026 को माउंट बर्ग कॉलोनी स्थित डॉ. लाहोटी के फार्म हाउस से गैस टंकियां चोरी होने की शिकायत के बाद हुई जांच में हुआ। सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र की मदद से पुलिस आरोपियों तक पहुंची और उनसे पूछताछ में कई चोरियों का खुलासा हुआ। डीसीपी नरेंद्र रावत के अनुसार, 10 जून 2026 को माउंट बर्ग कॉलोनी स्थित डॉ. लाहोटी के फार्म हाउस से गैस टंकियां चोरी होने की शिकायत फरियादी कमलेश मीणा ने दर्ज कराई थी। शिकायत मिलने के बाद तेजाजीनगर पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। फुटेज में चार संदिग्ध दिखाई दिए, जिनके आधार पर पुलिस ने उनकी पहचान कर हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने चोरी की वारदात को अंजाम देने की बात कबूल कर ली। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 34 घरेलू गैस टंकियां, छह बड़े वाहनों की बैटरियां तथा वारदात में प्रयुक्त दो पहिया वाहन बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में आनंद उर्फ भूरू मांडले, सौरभ कैथवास, अनिकेत उर्फ अमन कौशल और राहुल पाटीदार शामिल हैं। पुलिस ने आनंद उर्फ भूरू मांडले को गिरोह का सरगना बताया है। बरामद सामान की कीमत का आकलन किया जा रहा है और पुलिस यह भी पता लगा रही है कि आरोपियों ने अन्य किन क्षेत्रों में चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है।

मुंशियों की कार्यप्रणाली पर वकीलों ने उठाए सवाल

कोर्ट की प्रक्रिया में अनधिकृत दखल का आरोप

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। जिला कोर्ट परिसर में मुंशियों की कार्यप्रणाली को लेकर अधिवक्ताओं ने गुरुवार को जिला न्यायाधीश के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर गंभीर आपत्तियां दर्ज कराई हैं। वकीलों का आरोप है कि विशेष रूप से मोटर वाहन अधिनियम के तहत दर्ज ड्रिंक एंड ड्राइव मामलों में कुछ मुंशी सीधे तौर पर प्रकरणों का संचालन कर रहे हैं, जिससे न्यायिक प्रक्रिया और वकीलों की वैधानिक भूमिका प्रभावित हो रही है।

एडवोकेट राजेश खंडेलवाल ने बताया कि चालान पेश होने के दौरान संबंधित पक्षकारों को यह कहकर प्रभावित किया जाता है कि उन्हें वकील की आवश्यकता नहीं है और मुंशियों के माध्यम से ही उनका मामला निपटाया जा सकता है। उनका कहना है कि यह स्थिति न्यायिक प्रक्रिया में अनधिकृत हस्तक्षेप को बढ़ावा दे रही है और अधिवक्ताओं की भूमिका को कमजोर कर रही है। वकीलों ने आरोप लगाया कि कुछ मामलों में मुंशी पक्षकारों से आर्थिक लाभ लेकर प्रकरणों के निस्तारण का प्रयास करते हैं। इससे न केवल अधिवक्ता समुदाय के हित प्रभावित हो रहे हैं, बल्कि न्यायिक व्यवस्था की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। वकीलों का कहना है कि इस संबंध में पूर्व में भी न्यायालय प्रशासन को शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। इसी वजह से अधिवक्ता समुदाय ने एकजुट होकर पुनः जिला न्यायाधीश के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया है। आवेदन में मांग की गई है कि न्यायिक प्रक्रिया में केवल अधिकृत और विधिसम्मत व्यक्तियों की भूमिका सुनिश्चित की जाए तथा मुंशियों द्वारा किए जा रहे कथित हस्तक्षेप की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। इस संबंध में न्यायालय प्रशासन की ओर से अधिवक्ताओं को उचित समाधान और आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया गया है।

होटल संचालक पूजा पथिक समेत तीन पर एफआईआर

बैंक के कब्जे वाले फ्लैट का ताला तोड़कर घुसे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। लसूड़िया क्षेत्र में केनरा बैंक के वैध कब्जे वाली गिरवी संपत्ति में कथित रूप से ताला तोड़कर प्रवेश करने और सुरक्षा कर्मचारियों को धमकाने के मामले में पुलिस ने होटल संचालक महिला समेत तीन लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार, मामला तलावली चांदा स्थित अंसल टाउनशिप के पाइन टॉवर के फ्लैट नंबर-403 से जुड़ा है। केनरा बैंक की ओर से महाप्रबंधक अतिंदर नाथ चक्रवर्ती द्वारा दी गई शिकायत के मुताबिक, उक्त फ्लैट बैंक के पास गिरवी रखा गया था। अपर कलेक्टर एवं अपर जिला दंडाधिकारी के आदेश तथा तहसीलदार द्वारा जारी कब्जा वारंट के आधार पर 22 जनवरी 2026 को संपत्ति का वैध कब्जा केनरा बैंक को सौंपा गया था। आरोप है कि उसी दिन रात करीब 9 बजे ऋणकर्ता पूजा पथिक, उनके पुत्र अरमान पथिक तथा सहयोगी सुधीर सिंह ने फ्लैट का ताला तोड़कर उसमें प्रवेश कर लिया। शिकायत में यह भी कहा गया है कि आरोपियों ने मौके पर मौजूद सुरक्षा गार्डों के साथ दुर्व्यवहार किया और उन्हें धमकाया। पूजा पथिक ब्लू मून होटल की संचालक हैं, जबकि अरमान पथिक उनके पुत्र हैं। केनरा बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय की ओर से दी गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि यह कृत्य न्यायालय और प्रशासनिक आदेशों की अवहेलना करते हुए संपत्ति पर अवैध कब्जा करने की मंशा से किया गया। बैंक का दावा है कि मामले को लेकर पूर्व में भी शिकायतें की गई थीं तथा उच्च न्यायालय से भी आवश्यक निर्देश प्राप्त हुए थे। पुलिस ने शिकायत और उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर पूजा पथिक, अरमान पथिक और सुधीर सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

काशवी के शव का पोस्टमार्टम भी नहीं बता सका सच

इंदौर। दो वर्षीय मासूम काशवी यादव अब इस दुनिया में नहीं है, लेकिन उसकी मौत के पीछे का सच आज भी दफन है। न्याय की उम्मीद में परिवार ने चार दिन बाद बच्ची का शव कब्र से निकलवाकर पोस्टमार्टम कराया, मगर इस पूरी कवायद के बाद भी मौत की वजह सामने नहीं आ सकी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने जितने जवाब देने थे, उससे कहीं ज्यादा सवाल खड़े कर दिए हैं। महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज के तीन डॉक्टरों डॉ. सुनील कुमार सोनी (फोरेंसिक मेडिसिन एण्ड टेक्नोलॉजी), डॉ. सूरज साहू ((पीडियाट्रिक) और डॉ. पूजा प्रपन्ना (पैथालॉजी) की पैनल द्वारा किया गया। सबसे पीड़ादायक पहलू यह है कि जिस पोस्टमार्टम से परिवार को उम्मीद थी कि बेटी की मौत का सच सामने आएगा, वह उम्मीद अधूरी रह गई। रिपोर्ट में काशवी की मौत और पोस्टमार्टम के बीच का समय निर्धारित नहीं किया जा सका। डॉक्टरों ने अंतिम राय के लिए मेडिकल रिकॉर्ड और अन्य दस्तावेजों के परीक्षण की जरूरत बताई है। काशवी के माता-पिता निशा और नितिन यादव पहले ही आरोप लगा चुके हैं कि भोलाराम उस्ताद मार्ग स्थित 'द हेल्थ केयर क्लिनिक' में डॉ. अनिल गई द्वारा किए गए गलत इलाज और लापरवाही के कारण उनकी बेटी की जान गई। उनका कहना है कि साधारण उल्टी-दस्त की शिकायत पर बच्ची को क्लिनिक ले जाया गया था, लेकिन ड्रिप चढ़ाने के बाद उसकी हालत बिगड़ती चली गई। अगले दिन अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

नीट स्टूडेंट ने तीसरी मंजिल से कूदकर सुसाइड किया

इंदौर में डॉक्टर पिता बोले- पेपर लीक होने से डिप्रेशन में थी, बात कम कर रही थी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर में नीट की तैयारी कर रही छात्रा गुरुवार देर रात तीसरी मंजिल से कूदकर सुसाइड कर लिया। उसे गंभीर हालत में पहले निजी अस्पताल और फिर एमवाय हॉस्पिटल पहुंचाया गया। शुक्रवार सुबह उसकी मौत हो गई। छात्रा के गिरने का वीडियो भी सामने आया है।

छात्रा के पिता डॉ. बंशीलाल मौर्य ने कहा- 'बेटी अवंतिका तीन बार नीट दे चुकी थी। पिछली बार रिजल्ट नहीं आने से डिप्रेशन में थी। उसने सुसाइड किया है।' उन्होंने यह बात पीसीसी अध्यक्ष जीतू पटवारी से बातचीत में कही। डॉ. बंशीलाल खरगोन के भिकनगांव में मेडिकल ऑफिसर हैं।

पुलिस के मुताबिक, अवंतिका मौर्य धाकड़ कॉलोनी की एक निजी बिल्डिंग के

फर्स्ट फ्लोर पर बड़ी बहन डॉ. सपना मौर्य के साथ रह रही थी। डॉ. सपना ने बताया कि अवंतिका 3 बार नीट का एक्जाम पास नहीं कर पाई थी। वो कहती थी एमबीबीएस तो करके रहूंगी, लेकिन हाल ही में परीक्षा रद्द होने के बाद वह तनाव में थी। कल सामान्य रूप से बातचीत भी नहीं कर रही थी। पूरे दिन काफी चुप-चुप थी। ज्यादातर सवालों के जवाब सिर्फ हां या न में ही दे रही थी।

गुरुवार रात करीब 11:30 बजे वह मोबाइल पर चचेरी बहन नैना से बात कर रही थी। इसी दौरान सीढ़ियां चढ़ते हुए छत की तरफ चली गई। फिर नीचे आ गिरी। आवाज सुनकर बिल्डिंग में रहने वाले लोग बाहर आए। एम्बुलेंस और पुलिस को फोन किया।

अवंतिका मूल रूप से धार जिले की रहने वाली थी। पिता डॉ. बंशीलाल मौर्य एमवाय अस्पताल में ट्रेनिंग की वजह से पांच दिन पहले ही इंदौर आए थे। उन्होंने पुलिस को बताया कि घटना के समय वे फ्लैट के अंदर थे।

पिता घायल अवंतिका को लेकर तुरंत जूपिटर अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे एमवाय अस्पताल रेफर कर दिया। शुक्रवार सुबह करीब 5 बजे उसने दम तोड़ दिया।

भंवरकुआं थाना प्रभारी संतोष दूधी ने कहा- अवंतिका के मोबाइल की जांच, कॉल डिटेल और घटनास्थल की परिस्थितियों के आधार पर पूरे मामले की पड़ताल की जाएगी। जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि छात्रा दुर्घटनावश गिरी थी या उसने आत्महत्या की है। एसएफएल की टीम मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है।

चचेरे भाई धन सिंह ने कहा- अवंतिका गुरुवार को मेरे साथ थी। वह बार-बार टिचा फॉल चलने की जिद कर रही थी, लेकिन मैं उसने नहीं ले गया। रात करीब 9 बजे मैंने उसे घर छोड़ा था।

धन सिंह ने कहा- अवंतिका ने जनवरी में फिनाइल पीकर सुसाइड की कोशिश की थी। 3 बार नीट क्लियर नहीं होने पर बहन और पिता ने आगे तैयारी करने से भी मना कर दिया था। इस साल उसका खरगोन के फॉर्मेसी कॉलेज में एडमिशन करवा दिया गया था।

अवंतिका की चचेरी बहन हर्षा ने बताया- गुरुवार रात करीब 9:30 बजे उससे वीडियो कॉल पर बात हुई थी। हालांकि, ज्यादा देर बात नहीं हुई और न ही उसने कुछ खास बताया।

हर्षा ने बताया कि अवंतिका नीट की तैयारी कर रही थी। उसका सपना डॉक्टर बनने का था। वह तीन बार परीक्षा में सफल नहीं हो सकी थी, लेकिन हमेशा कहती थी कि जरूरत पड़ी तो एक और ड्रॉप ले लूंगी, लेकिन MBBS जरूर करूंगी। हर्षा ने कहा कि इस बार अवंतिका का नीट पेपर अच्छा गया था, लेकिन इसके रद्द होने के बाद वह काफी परेशान रहने लगी थी।

नगर निगम कर्मचारी ने घर की छत पर लगाई फांसी

इंदौर। भंवरकुआं थाना क्षेत्र स्थित पालदा तेजाजी चौक में नगर निगम के एक कर्मचारी ने गुरुवार शाम घर की छत पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना का खुलासा तब हुआ जब पड़ोस में रहने वाले एक 10 वर्षीय बच्चे ने उसे फंदे पर लटका देखा और परिजनों को इसकी सूचना दी।

मृतक की पहचान राहुल दसोरे (30) पुत्र प्रकाश दसोरे के रूप में हुई है। वह इंदौर नगर निगम के जोन क्रमांक-18 के जनकार्य विभाग में कम्प्यूटर ऑपरेटर के पद पर कार्यरत था। बताया जाता है कि पिता के निधन के बाद उसे अनुकंपा नियुक्ति मिली थी। घटना के समय उसकी पत्नी दोनों बच्चों को लेकर मायके गई हुई थी, जबकि घर में उसकी मां मौजूद थीं। मां नीचे कमरे में आराम कर रही थीं और उन्हें घटना की जानकारी नहीं थी। इसी दौरान पड़ोस के एक 10 वर्षीय बच्चे की नजर छत पर गई, जहां राहुल फांसी के फंदे से लटका हुआ दिखाई दिया। बच्चे ने तत्काल परिजनों को सूचना दी। इसके बाद परिवार के सदस्य और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक राहुल की मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही भंवरकुआं थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस परिजनों और परिचितों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही आत्महत्या के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

मां बोली-प्रेमिका शादी से मुकरी तो बेटे ने दी जान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। सराफा थाना क्षेत्र में रहने वाले युवक अमन मालाकार की आत्महत्या के मामले में नया मोड़ आ गया है। अमन की मौत के बाद उसके परिजनों ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को शिकायत देकर मामले की निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है। परिवार का आरोप है कि एक युवती और उसके परिजनों की प्रताड़ना से परेशान होकर अमन ने आत्मघाती कदम उठाया। जानकारी के अनुसार नलिया बाखल निवासी अमन मालाकार ने 7 जून को जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी। अब उसकी मां संगीता मालाकार और अन्य परिजनों ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया है कि अमन का पिछले करीब दो सालों से इलाके की एक युवती के साथ प्रेम संबंध था। दोनों एक-दूसरे से शादी करना चाहते थे और इस बात की जानकारी दोनों परिवारों को भी थी। परिजनों का आरोप है कि बाद में युवती ने कहीं और शादी करने की बात कही, जिससे अमन मानसिक रूप से परेशान रहने लगा। अमन की मौत के बाद उसके मोबाइल फोन की जांच में युवती के साथ हुई चैटिंग भी मिली है। परिवार का दावा है कि चैट में शादी को लेकर दोनों के बीच बातचीत हुई थी और इसी कारण अमन तनाव में था। परिवार ने आरोप लगाया है कि 15 मार्च को एक कार्यक्रम के दौरान युवती के पिता, भाई और मामा ने अमन के साथ मारपीट की थी। इसके बाद से वह और अधिक परेशान रहने लगा था। परिजनों का कहना है कि युवती का परिवार दोनों के रिश्ते के बारे में जानता था, लेकिन बाद में उन्होंने अमन पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। अमन की मां ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को लिखित शिकायत देकर पूरे मामले की जांच कराने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

काले हिरण के कुनबे में सफेद हिरण का शावक

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। चिड़ियाघर में काले हिरण के कुनबे में जन्म सफेद हिरण शावक का जू प्रबंधन के साथ ही मां भी पूरा ध्यान रख रही है। इसके साथ ही ये सफेद हिरण यहां आने वाले दर्शकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र भी बन गया है। बेता दे कि कुछ दिनों पहले ही इंदौर के चिड़ियाघर में काले हिरण के कुनबे में सफेद हिरण शावक का जन्म हुआ है। ये शावक पूरी तरह स्वस्थ है। खासबात यह है कि शावक की आंखे गुलाबी रंग की और उसका फर सफेद है। यहां आने वाले दर्शक भी इस दुर्लभ हिरण शावक को देख अचरज कर रहे हैं। चिड़ियाघर प्रभारी डॉक्टर उत्तम यादव ने बताया कि सफेद हिरण शावक पूरी तरह स्वथ्य है। जू प्रबंधन द्वारा भी उसका ध्यान रखा जा रहा है। कर्मचारियों द्वारा लगातार उस पर नजर रखी जा रही है। हालांकि वह काले हिरण के पिंजरे में ही मां के साथ है।

यदि आप साहस और निर्भीकता के साथ 'खोजी पत्रकार' के रूप में कार्य करना चाहते है...
अपने आसपास के भ्रष्टाचार-अपराध-अव्यवस्थाओं को उजागर करना चाहते है...
तो आइए हमारे समाचारपत्र/न्यूज वेबपोर्टल/यूट्यूब चैनल के साथ 'क्राइम रिपोर्टर' के रूप में कार्य करे।
★★★★★
कृपया हमारी वेबसाइट पर जाकर खुद को रजिस्टर्ड करे। या फिर हमें आपका पूरा बॉयोडाटा मेल करे
www.dgr.co.in
www.detectivegroupreport.com
detectivegroupreport@gmail.com
(आपके सुझाव/लेख/न्यूज़/सूचना का सदैव स्वागत है)

अस्पताल में महिला डॉक्टर से छेड़छाड़

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। विजय नगर इलाके में स्थित एक नामी अस्पताल में महिला डॉक्टर के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोप है कि अस्पताल में हाउसकीपिंग का काम करने वाले कर्मचारी ने रेस्ट रूम में घुसकर महिला डॉक्टर के साथ गलत हरकत की। गुरुवार को 30 वर्षीय महिला डॉक्टर की शिकायत के बाद विजय नगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिला डॉक्टर ने पुलिस को बताया कि वह अलसुबह अस्पताल के रेस्ट रूम में आराम कर रही थीं। इसी दौरान निलेश रायकवार बिना आवाज किए अचानक कमरे के अंदर आ गया। जब महिला डॉक्टर ने उससे बिना अनुमति अंदर आने का कारण पूछा तो आरोपी ने उनका एक हाथ पकड़ लिया और दूसरे हाथ से मुंह दबाने की कोशिश की। महिला डॉक्टर ने विरोध करते हुए आरोपी को धक्का दिया और चिल्लाते हुए कमरे से बाहर भागीं। आवाज सुनकर अस्पताल का नर्सिंग स्टाफ मौके पर पहुंचा, लेकिन तब तक आरोपी वहां से फरार हो चुका था। घटना के बाद महिला डॉक्टर ने अस्पताल प्रबंधन और अधिकारियों को मामले की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस को अस्पताल बुलाया गया। महिला डॉक्टर ने थाने पहुंचकर आरोपी निलेश रायकवार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। विजय नगर पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

छेड़छाड़ का एक और मामला

विजय नगर थाना क्षेत्र में छेड़छाड़ का एक और मामला सामने आया है। एक फाइनेंस कंपनी के ऑपरेशन मैनेजर पर वहीं काम करने वाली पूर्व महिला कर्मचारी ने छेड़छाड़ और परेशान करने के आरोप लगाए हैं। महिला की शिकायत पर विजय नगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार महिला ने शिकायत में फाइनेंस कंपनी के ऑपरेशन मैनेजर कुलदीप राजपूत पर आरोप लगाया है कि नौकरी के दौरान वह उसके साथ गलत व्यवहार करता था। महिला का कहना है कि आरोपी कई बार उसके साथ बेड टच करता था और ऑफिस आने-जाने के दौरान उसका पीछा भी करता था। पीड़िता के मुताबिक उसने कंपनी प्रबंधन को आरोपी की हरकतों की जानकारी दी थी, लेकिन मामले की जांच किए बिना ही उसे नौकरी से हटा दिया गया। इसके बाद महिला ने विजय नगर थाने में लिखित शिकायत दी, जिसके आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है और शिकायत में लगाए गए आरोपों के संबंध में संबंधित लोगों से पूछताछ की जा रही है। वहीं कंपनी और आरोपी पक्ष से भी जानकारी जुटाई जा रही है।

कानून से ऊपर कोई नहीं...

शराब ग्रुप सोम डिस्टिलरीज को सीएम ने दिया तगड़ा झटका, रद्द किए लाइसेंस

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश में सुशासन और कानून व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने एक बार फिर बहुत बड़ा और कड़ा प्रशासनिक संदेश दे दिया है। मुख्यमंत्री की 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत प्रदेश सरकार ने आबकारी विभाग से जुड़ी एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। राज्य सरकार ने शराब कारोबार से जुड़े बड़े समूह सोम डिस्टिलरीज के आबकारी लाइसेंसों के नवीनीकरण के आवेदन को सीधे तौर पर निरस्त कर दिया है। सरकार के इस कड़े कदम से साफ हो गया है कि प्रदेश में चाहे कोई कितना भी रसूखदार क्यों न हो, कानून से ऊपर कोई नहीं है।

साल 2026-27 के लिए दिया था रिन्यूअल का आवेदन

सोम ग्रुप की विभिन्न इकाइयों ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए अपने अलग-अलग आबकारी लाइसेंसों को रिन्यू करने के लिए सरकार के समक्ष आवेदन पेश किया था। लेकिन सीएम डॉ. मोहन यादव की भ्रष्टाचार, अवैध कारोबार, नियमों के उल्लंघन और राजस्व अपवंचन के खिलाफ अपनाई गई सख्त नीति के चलते इन आवेदनों को खारिज कर दिया गया।

इन गंभीर वजहों के चलते निरस्त हुआ आवेदन

जांच और निर्णय प्रक्रिया के दौरान सोम डिस्टिलरीज से जुड़े कई पुराने और गंभीर मामले दोबारा फाइलों से बाहर आए।

समूह से जुड़े मामलों में पूर्व में अवैध शराब के परिवहन के गंभीर आरोप लगे थे।

जांच में फर्जी और कूटरचित परमिटों के उपयोग की बात सामने आई थी।

सरकारी खजाने को भारी नुकसान पहुंचाने के प्रकरण विभिन्न न्यायालयों के समक्ष पहले से ही विचारित हैं।

हाई कोर्ट ने भी सरकार को दी थी स्वतंत्र परीक्षण की छूट

बता दें कि यह पूरा मामला हाईकोर्ट में भी विचाराधीन था। कोर्ट ने अपने आदेश में साफ किया था कि लाइसेंस रिन्यूअल के मामलों का परीक्षण उपलब्ध तथ्यों, कानूनी प्रावधानों और संबंधित पक्ष के पुराने आचरण के आधार पर पूरी तरह स्वतंत्र और कारणयुक्त तरीके से किया जाना चाहिए। कोर्ट ने किसी भी तरह का स्वचालित अधिकार नहीं दिया था, जिसके बाद सक्षम प्राधिकारी ने यह कड़ा कदम उठाया।

'रिन्यूअल कोई अधिकार नहीं', आबकारी आयुक्त का आदेश

मामले में आबकारी आयुक्त द्वारा जारी किए गए आधिकारिक आदेश में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि किसी भी संस्था के लाइसेंस का नवीनीकरण कोई स्वचालित प्रक्रिया या अधिकार स्वरूप प्राप्त होने वाली चीज नहीं है। इसके लिए कंपनी के पिछले आचरण, विधिक अनुपालन, नियमों और शर्तों के पालन के साथ-साथ सार्वजनिक हित से जुड़े पहलुओं का कड़ाई से परीक्षण करना जरूरी है। इसी विधिक दृष्टिकोण के तहत मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 के नियमों के आधार पर यह बड़ा फैसला लिया गया।

मथुरा में मिला भोपाल का लापता अंश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। राजधानी भोपाल से चार दिन पहले लापता हुआ 6 वर्षीय अंश मैना मथुरा में सुरक्षित मिल गया है। भोपाल पुलिस की छह टीमें लगातार बच्चे की तलाश में जुटी थीं। सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस ने अंश को ट्रेस किया। अंश को पुलिस ने अपनी कस्टडी में ले लिया है। टीम जल्द ही उसे मथुरा से भोपाल लेकर रवाना होगी। जानकारी के अनुसार अंश मैना ईदगाह हिल्स स्थित बाजपेयी नगर मल्टी का रहने वाला है। उसकी मां लालघाटी स्थित मल्टी केयर अस्पताल में भर्ती थीं। मंगलवार को अस्पताल परिसर के पास खेलते समय अंश अचानक गायब हो गया था।

शादी करने आ रहे बॉयफ्रेंड की मौत

देवास, एजेंसी। जिले के टोंकखुर्द में सड़क हादसे में बॉयफ्रेंड की मौत हो गई, जबकि उसकी गर्लफ्रेंड और कार ड्राइवर घायल हो गए। हादसे के बाद प्रेमिका को घंटों तक प्रेमी की मौत की जानकारी नहीं दी गई। वह अस्पताल में रोती-बिलखती रही। बोलती रही- मुझे मेरे मोहित से मिला दो। जानकारी के अनुसार, हादसा शुक्रवार सुबह करीब 5 बजे टोंकखुर्द में हुआ। कार सड़क किनारे पोल से टकरा गई थी। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश निवासी मोहित वाजपेई के रूप में की गई है। कार में उनके साथ मौजूद युवती और चालक भी घायल हुए। हादसे के बाद तीनों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद मोहित वाजपेई को मृत घोषित कर दिया।

खुटार में दर्दनाक सड़क हादसा

कार-बाइक की भिड़ंत में दो युवकों की मौत, एक की हालत गंभीर घायल

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उमरिया, एजेंसी। उमरिया के मानपुर-जयसिंहनगर मार्ग (एसएच-10) पर शनिवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। मानपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत खुटार स्थित एक फार्म हाउस के समीप कार और बाइक के बीच हुई जोरदार टक्कर में दो युवकों की मौके पर और अस्पताल पहुंचने से पहले मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की खबर मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मानपुर जनपद क्षेत्र के ग्राम गोवर्दे के खैरभान टोला निवासी तीन युवक किसी पारिवारिक रिश्तेदारी में गए हुए थे। रविवार सुबह वे एक ही बाइक से अपने घर वापस लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि घर से महज डेढ़ से दो किलोमीटर की दूरी पर पहुंचने ही वाले थे कि खुटार के पास सामने से आ रही एक कार से उनकी बाइक की भीषण भिड़ंत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और तीनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी व घायलों को अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया।

इस दर्दनाक दुर्घटना में रामकेश केवट पिता रामभजन केवट निवासी गोवर्दे की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं गंभीर रूप से घायल प्रदीप केवट पिता मुन्ना केवट, उम्र लगभग 30 वर्ष को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। हादसे में तीसरे युवक हिमांशु केवट पिता उमेश केवट, उम्र लगभग 26 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायल हिमांशु को प्राथमिक उपचार के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर से बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज शहडोल रेफर किया गया है। उनकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है। परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंच गए।

दोहरे हत्याकांड का खुलासा

उज्जैन में दामाद ने सास और उसके प्रेमी को उतारा मौत के घाट, दो आरोपी गिरफ्तार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन, एजेंसी। उज्जैन में घटित दोहरे हत्याकांड को लेकर चर्चा जोर पकड़ रही है। वहीं, थाना राघवी पुलिस ने महुडीपुरा रोड पर मिले महिला-पुरुष के शवों के मामले में दोहरे हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्या के आरोप में दामाद और उसके भाई को गिरफ्तार किया है, जबकि एक आरोपी अभी फरार है।

राघवी थाना प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र सिंह बन्देवार ने बताया कि 18 जून को ग्राम महुडीपुरा रोड स्थित खेत की मेड़ पर कालूराम वर्मा (40 वर्ष), निवासी बैलाखेड़ा और मंजुबाई शर्मा (42 वर्ष),

निवासी बैलाखेड़ा के शव मिले थे। सूचना पर राघवी पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, भौतिक साक्ष्यों और वैज्ञानिक जांच के आधार पर हत्या का मामला सामने आने पर थाना राघवी में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) करणदीप सिंह और एसडीओपी महिदपुर जेडेन लिंगजर्पा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह बन्देवार के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने तीन आरोपियों की पहचान की। इसके बाद अनिल पिता आनंदीलाल (24 वर्ष), निवासी बरखेड़ा बुजुर्ग और कालूराम पिता आनंदीलाल (28 वर्ष), निवासी बरखेड़ा बुजुर्ग को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि रफीक पिता मुबारक (46 वर्ष), निवासी नवदुर्गा कॉलोनी, अभी फरार है।

पूछताछ में सामने आया कि मृतका मंजुबाई के कालूराम वर्मा से अवैध संबंध थे। मंजुबाई की बेटी की शादी आरोपी अनिल से हुई थी। शादी के बाद अनिल की पत्नी बार-बार मायके चली जाती थी। अनिल के समझाने के बावजूद मंजुबाई और उसके परिजन बेटी को ससुराल भेजने के लिए तैयार नहीं थे। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था।

इसी रंजिश के चलते अनिल ने अपने भाई कालूराम और साथी रफीक के साथ मिलकर षड्यंत्र रचा और मंजुबाई व कालूराम वर्मा की हत्या कर दी। पुलिस ने दोनों गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। वहीं, फरार आरोपी रफीक की तलाश जारी है।

संपादकीय

सुप्रीम कोर्ट की दोटूक: बिना बुनियादी सुविधाओं के बराबरी अधूरी

सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा वातावरण बनाने की जरूरत पर जोर दिया, जिनमें महिला वकील अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से, सुरक्षित रूप से और बराबरी के आधार पर निभा सकें। देश भर की ज्यादातर अदालतों, अधिकरणों और आयोगों में महिलाओं के लिए विभिन्न सुविधाओं वाले बार कक्ष और दूसरी आवश्यक सुविधाओं की कमी की ओर इशारा करने वाली एक याचिका में उठाए गए मुद्दों पर कोर्ट ने गौर किया। कोर्ट ने कहा कि इन चिंताओं को सिर्फ सुविधा-असुविधा का मामला मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने कहा कि पिछले कुछ दशकों में वकालत के पेशे में महिलाओं की भागीदारी में लगातार और उत्साहजनक बढ़ोतरी हुई है। पीठ ने कहा कि हालांकि, अवसर मिलना ही जश्न मनाने का पर्याप्त कारण नहीं हो सकता। पीठ ने कहा कि उनकी भागीदारी को सार्थक बनाने के लिए ऐसा वातावरण बनाना होगा जिसमें महिला वकील अपनी पेशेवर जिम्मेदारियां प्रभावी ढंग से, सुरक्षित रूप से और बराबरी के आधार पर निभा सकें। कोर्ट ने कहा कि अदालत परिसर में महिला पेशेवरों के लिए जरूरी सुविधाओं वाली जगह का होना अनिवार्य शर्त है। पीठ ने केंद्र सरकार, सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और अन्य संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर इस याचिका पर उनका जवाब मांगा। शीर्ष अदालत ने कहा कि अदालत परिसर भले ही सिर्फ एक ऐसी जगह लगती हो जहां कानूनी कार्यवाही होती है, लेकिन जो लोग कानून के पेशे में अपना जीवन बिताते हैं, वे जानते हैं कि यह उससे कहीं ज्यादा है। पीठ ने कहा, 'यह एक ऐसी जगह है जहां वकील अपने पेशेवर जीवन का एक बड़ा हिस्सा बिताते हैं और अक्सर यह उनके लिए दूसरे घर जैसा बन जाता है।' कोर्ट ने इस बात पर भी जोर दिया कि अधिकतर वकील इस परिसर में लंबा समय बिताते हैं। कोर्ट ने कहा कि ऐसी जगह न होने से महिला वकीलों पर बहुत बुरा असर पड़ता है और कुछ मामलों में वे अपना काम जारी रखने से हतोत्साहित भी हो सकती हैं। पीठ ने कहा, 'ऐसी आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था, प्रथम दृष्टया, संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और सम्मान की मौलिक गारंटी से सीधे तौर पर जुड़ी है।' मामले की सुनवाई 17 जुलाई के लिए तय करते हुए, पीठ ने अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि, सभी राज्यों के महाधिवक्ताओं और केंद्र शासित प्रदेशों के सरकारी वकीलों से अनुरोध किया कि वे उस दिन मौजूद रहें और इस मामले में सहायता दें।

मुंशी प्रेमचंद की कहानी :

आप-बीती

साहित्यकारों की जिंदगी में एक ऐसा वक्त भी जरूर आता है, जब प्रशंसकों की तरफ से उन्हें ढेरों पत्र प्राप्त होते हैं और वो खुशी से झूम उठते हैं। यह एक ऐसा वक्त होता है जब लेखक अपनी सारी समस्याओं को भूल खुशी का अनुभव करता है। वो पत्रों के सागर में डूब जाता है और लहरों के साथ कल्पना के एक नए शिखर पर पहुंच जाता है। उस पल 'मैं भी कुछ हूं' यह महत्व महसूस होता है। कुछ ऐसा ही अनुभव मैंने सावन महीने में किया जब मुझे मेरी रचनाओं की प्रशंसाओं से भरा पत्र प्राप्त हुआ। इस पत्र में दिल खोलकर मेरी कृतियों की तारीफें की गई थी।

पत्र भेजने वाले खुद एक उत्तम कवि थे। उनकी कविताएं अक्सर पत्रिकाओं में छपती थीं। मैं उनका यह पत्र पढ़कर फूला नहीं समा रहा था। मैं खुशी के मारे उसी वक्त उस पत्र का जवाब लिखने बैठ गया था। उस उत्साह में मैंने जो कुछ भी पत्र में लिखा इस समय वो याद नहीं है। हां, इतना याद है कि उस पत्र में शुरू से अंत तक प्रेम भरे मीठे शब्द लिखे थे। हालांकि, मैं कभी कविता नहीं लिखता था, लेकिन फिर भी मैं शब्दों को जितना सुंदर बना सकता था, मैंने उतना संवार दिया था। यहां तक कि पत्र लिखने के बाद जब मैंने उसे फिर से पढ़ा तो मुझे कविता बहुत पसंद आई। पूरा पत्र भाव से भरपूर था।

पांचवे दिन उसी कवि का एक और पत्र मुझे मिला। वो पहले वाले पत्र के मुकाबले और ज्यादा प्रभावी था। उसमें मुझे प्यारे भाईया कहकर पुकारा गया था। साथ ही मेरी रचनाओं की एक सूची और प्रकाशकों के बारे में उनके नाम और पते पूछे गए थे। इसके साथ ही पत्र के अंत में ये भी कहा गया था कि मेरी पत्नी आपकी बहुत बड़ी प्रशंसक है और आपकी लेखन को पढ़ना पसंद करती है। साथ ही पत्र में यह भी लिखा गया था कि मेरी पत्नी पूछ रही थी कि आपकी शादी कहां हुई है, आपके बच्चे कितने हैं और आपकी कोई फोटो है, तो प्लीज भेज दीजिए। वहीं, पत्र में मेरे जन्म स्थान और वंश की भी जानकारी पूछी गई थी। पत्र के उसके अंतिम खबर ने मुझे खुश कर दिया था।

पहली बार ऐसा हुआ था जब किसी महिला ने अपने मुंह से मेरी तारीफ की थी और यह सुनने का मौका मुझे मिला था। यह सुनकर ऐसा लगा कि कोई मेरी बुरे कर्मों की तारीफ कर रहा है। उस दौरान तारीफ में जितने भी शब्द मुझे याद थे, उन सबको मैंने पत्र में लिख डाला और अपने परिवार और खानदान के विषय में ऐसा जिक्र किया कि जैसे किसी कवि ने भी कभी राजा का गुणगान नहीं किया हो। मेरे दादाजी एक जमींदार के यहां कर्मचारी थे, लेकिन उन्हें मैंने रियासत का प्रबंधक बताया था। वहीं, अपने क्लर्क पिता को मैंने दफ्तर का प्रधानाध्यक्ष बताया। पत्र में किसानी को जमींदारी बताया था।

इसके अलावा, अपने लेखन की गिनती को तो बढ़ा न सका, लेकिन उनके महत्व को बड़े अच्छे से समझा दिया था। देखा जाए, तो अपनी तारीफ करना एक सिरफिरापन है, लेकिन इशारों में यह काम आसानी से किया जा सकता है। खैर पत्र खत्म हो चुका था और लेटरबॉक्स में पहुंच चुका था।

इसके बाद हफ्ते तक कोई भी पत्र नहीं आया। मैंने पत्र में अपने हिसाब से अपनी पत्नी की तरफ से भी कुछ बातें लिखी थीं। उम्मीद थी कि घनिष्ठता बढ़ेगी, लेकिन ऐसा लग रहा था कि कहीं वे मुझे मतलबी और सेंटिमेंटल न समझने लगा हो। इसलिए, कोई पत्र नहीं लिखा हो।

आश्विन के महीने का तीसरा पहर था। हर तरफ रामलीला का उत्साह था। मैं भी अपने एक दोस्त के घर था, वहां ताश की बाजी चल रही थी। अचानक एक व्यक्ति वहां मेरे बारे में पूछते हुए व मेरा नाम लेते हुए वहां आया और मेरे बगल की कुर्सी पर आकर बैठ गया। मैं उसे नहीं जानता था। मैं सोच में था कि आखिर कौन है ये आदमी और यहां कैसे आया। मेरे दोस्त लोग भी उन महाशय को देखकर इशारेबाजी करने लगे थे। मैंने विनम्रता के साथ उस महाशय का नाम पूछा।

जवाब मिला- 'मेरा नाम उमापति नारायण है।'

मैं जवाब सुनते ही खुश होकर उनके गले लग गया। यह कोई और नहीं, बल्कि वही कवि महोदय थे जिन्होंने मुझे पत्र भेजा था। मैंने उनसे उनका हाल-चाल पूछा। फिर पान और इलायची खिलाई और पूछा कि यहां कैसे आना हुआ। उन्होंने जवाब दिया, "घर चलिए फिर विस्तार से बताउंगा। मैं आपके यहां से होकर आया हूं, वहां मुझे पता चला कि आप यहां हैं, तो मैं पूछता हुआ यहां आ गया।" फिर मैं फौरन उनके साथ जाने के लिए तैयार हो गया। उनके कमरे से निकलते ही मेरे दोस्तों ने इशारे में मुझसे पूछा कि यह साहब कौन हैं? मैंने दोस्तों को बताया कि ये मेरे नये मित्र हैं।

मित्र ने कहा कि थोड़ा सावधान रहिएगा, मुझे ये थोड़े उचक्के लग रहे हैं।

मैंने कहा, "आपका यह अनुमान गलत है, आप आदमी को हमेशा उसके कपड़ों से जज करते हैं, लेकिन इंसान वस्त्रों में नहीं, बल्कि दिल में होता है।

मित्र- खैर ये रहस्य की बात है, बाकी आप जानें मैं आपको बस सावधान कर रहा हूं।

मैंने मित्र की बात पर कोई जवाब न दिया और और उमापति जी को लेकर अपने घर आ गया। मैंने उनके लिए बाजार से खाना मंगवाया। इस दौरान उन्होंने अपनी कई सारी कविताएं मुझे सुनाई। कविताएं सुनाते वक्त उनकी आवाज बहुत मनोहर और मीठी लग रही थी। हालांकि, कविताएं तो मुझे समझ नहीं आईं, लेकिन मैंने उनकी कविताओं की तारीफ के पुल बांध दिये। मैं खुशी के मारे उनकी कविताओं की वाह-वाही करने लगा। ऐसा लग रहा था जैसे मानों मुझसे बढ़कर कोई काव्य प्रेमी नहीं है। शाम के वक्त हम दोनों रामलीला देखने गए। वहां से लौटकर आने के बाद मैंने उन्हें खाना खिलाया। इसके बाद उन्होंने अपनी यात्रा के बारे में बताना शुरू किया। उन्होंने बताया कि वह इस वक्त कानपुर जा रहे हैं, अपनी पत्नी को लेने के लिए।

उनका मकान कानपुर में है। उन्होंने उस वक्त अपने विचार को साझा करते हुए बताया कि उनकी इच्चा मासिक पत्रिका निकालने की है। उन्होंने बताया कि प्रकाशक कविताओं के लिए एक हजार रुपये देते हैं, लेकिन उनकी इच्छा है कि

वे कविताओं को पत्रिका में क्रमशः निकालें फिर अपने ही पैसों से पुस्तकाकार प्रिंट करवाएं। उमापती ने यह भी बताया कि उनकी जमींदारी कानपुर शहर में है, लेकिन वो साहित्यिक जिंदगी बिताना चाहते हैं। उन्हें जमींदारी से नफरत है।

उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी लड़कियों के एक स्कूल में प्रधानाध्यापिका हैं। यह सारी बातें देर रात तक चलती रहीं। अधिकांश बाते उस दिन की याद नहीं है। हां, बस यह याद है कि हमने अपने भावी जिंदगी का एक प्रोग्राम बना लिया था। उस वक्त मैं अपनी किस्मत को सराह रहा था कि घर बैठे-बैठाये मुझे भगवान ने एक सच्चा दोस्त भेज दिया। हम लोगों को बात करते-करते लगभग आधी रात यूं ही बीत गई थी। उन्हें अगले दिन सुबह 8 बजे निकलना था। जब मैं सोकर उठा तो सुबह के 7 बज रहे थे।

मैंने देखा कि उमापति जी जाने के लिए तैयार थे। बोले- "इजाजत दीजिए लौटते वक्त इधर से ही जाउंगा। इस वक्त आपको तकलीफ दे रहा हूं। माफ करिएगा। जब कल मैं चला था तो उस वक्त सुबह के 4 बज रहे थे। चलने की चिंता में पूरी रात जागना पड़ गया। गाड़ी में बैठते ही झपकियां आने लगीं। तो मैंने कोट उतार दिया और फिर लेटा तो फौरन सो गया। मुगलसराय में आंख खुली तो देखा कि कोट गायब था। कोट को मैंने चारो तरफ ढूंढा। पता ही नहीं चला कि मेरा कोट किसी ने चोरी कर लिया है।

मेरे कोट में उस वक्त 50 रुपये रखे थे, वो भी साथ में चले गए। पत्नी के मैके उसे लेने जाना है और जाते वक्त मुझे कपड़े ले जाने हैं। आप मुझे 50 रुपए उधार दे दीजिए। ससुराल में हर वक्त थोड़े-बहुत पैसे खर्च होने स्वाभाविक हैं। ऐसे में अगर पैसे ना खर्च करो, तो हंसी होगी। मैं जब वापसी में इधर से लौटूंगा तो आपको पैसे देता हुआ जाऊंगा।"

मैं उनकी बात सुनकर बड़ी दुविधा में था। मुझे पहले भी एक बार धोखा मिला था। फौरन मन में ख्याल आया कि कहीं इस बार भी धोखा न खा जाऊं। फिर तुरंत ही मुझे अपने इस ख्याल पर शर्म आने लगी। मैंने सोचा, इस संसार में हर आदमी एक जैसा नहीं होता। ये बेचारे कितने सज्जन आदमी हैं। इस वक्त मुसीबत में हैं। ये सोचते हुए मैंने अपनी पत्नी को कहा कि अगर तुम्हारे पास कुछ पैसे हैं तो दे दो।

पत्नी ने पूछा, "क्या करोगे?"

मैंने कहा, "कल जो मेरे मित्र आए हैं किसी ने उनके रुपये सफर के दौरान चुरा लिए हैं। उन्हें ससुराल अपनी पत्नी को लेने जाना है। लौटते वक्त वो पैसे दे देंगे।" मेरी बातों को सुनकर पत्नी ने मजाक करते हुए कहा कि तुम्हारे जितने भी दोस्त आते हैं, सब तुम्हें धोखा देने ही आते हैं। मेरे पास कुछ पैसे नहीं हैं। फिर मैंने थोड़ा अपनी पत्नी को मनाते हुए कहा कि अगर पैसे हैं तो दे दो ना, बेचारे तैयार होकर खड़े हैं। उनकी गाड़ी छूट जाएगी।

पत्नी ने कहा, "बोल दो जाकर कि इस वक्त घर में कोई पैसे नहीं हैं।"

मैंने कहा, "यह कहना इतना आसान बिल्कुल नहीं है। इसका मतलब यह है कि मैं दरिद्र होने के साथ-साथ अच्छा दोस्त भी नहीं हूं। क्या मेरे पास 50 रुपये का भी इंतजाम नहीं हो सकता। उमापति जी को इसपर कभी भी यकीन नहीं होगा कि मेरे पास इतने पैसे भी नहीं है। इससे तो यह सही है कि उनसे मैं सीधे-सीधे कह दूं कि हमे आप पर बिल्कुल भी यकीन नहीं है।"

मेरी बातें सुनकर पत्नी ने झुंझला कर बक्से की चाभी मेरे सामने फेंकते हुए कहा कि "तुम जितनी आसानी से बहस कर लेते हो, अगर उतनी आसानी से आदमी परखना जानते तो अभी तक इंसान बन गए होते। जाओ और दे दो ये रुपये। इन रुपयों को उधार समझकर मत दो, ये समझना कि इन रुपयों को पानी में फेंक दिया।"

मुझे तो बस आम से मतलब था ना कि पेड़ की गिनती से। मैंने रुपये निकालकर उमापति जी को उसी वक्त दे दिए। उमापति जी ने पैसा लौटाने का वादा किया और चले गए।

उमापति सातवें दिन फिर शाम को घर वापस आएं। उनके साथ इस बार उनकी पत्नी व बेटी थी। दही-चीनी खिलाकर मेरी पत्नी ने उन लोगों का स्वागत व आदर-सत्कार किया। यहां तक कि 20 रु मुंह-दिखायी के दिये। इसके साथ की उनकी बेटी को भी मेरी पत्नी ने मिठाई खाने के लिए 2 रुपए दिये। मुझे लगा था कि उमापति जी आने के बाद ही मेरे रुपये लौटा देंगे, लेकिन उन्होंने रात में रुपयों का कोई जिक्र तक नहीं किया। सोते वक्त मैंने पत्नी से कहा कि रुपये का तो इन्होंने जिक्र तक नहीं किया।

पत्नी ने मेरी बात सुनकर हंसते हुए कहा कि "क्या तुम्हे सच में उम्मीद थी कि वो आते ही फौरन तुम्हारे पैसे लौटा देंगे। मैंने पहले ही तुमसे कहा था कि रुपये मिलने की उम्मीद से उन्हें पैसे मत देना। यह समझो कि ये पैसे किसी दोस्त की मदद के लिए दिए थे, लेकिन तुम तो विचित्र हो।" पत्नी की बातें सुनकर मैं लज्जित होकर चुप रह गया। उमापति अपने परिवार वालों के साथ दो दिन तक मेरे घर में रुके। मेरी पत्नी ने इस दौरान उन लोगों का खूब आदर-सत्कार किया। मुझे फिर भी संतोष नहीं था, क्योंकि मैं समझता था कि इन्होंने मेरे साथ धोखा किया था।

तीसरे दिन वो सुबह जल्दी अपने घर जाने को तैयार हो गए। मुझे अब उम्मीद थी कि वो मेरे रुपये लौटा देंगे। ऐसा नहीं हुआ, वो अब एक नई रामकहानी सुनाने लगें। उन्होंने बिस्तर बांधते हुए कहा कि "मुझे बड़ा ही दुख है कि इस बार मैं आपके पैसे नहीं लौटा पाउंगा। दरअसल, बात ये है कि घर में पिताजी से मुलाकात नहीं हो पाई। वे किसी काम से गांव गये हुए थे। मेरे पास इतनी छुट्टियां नहीं थी कि उनसे मिलने मैं गांव तक जाता। गांव जाने के लिए रेल का वहां कोई भी जरिया नहीं है। वहां पहुंचने के लिए बैलगाड़ियों से जाना पड़ता है। इसीलिए, सिर्फ एक दिन मैं घर में रहा और फिर अपने ससुराल को निकल गया। मेरे सारे रुपये ससुराल में ही खर्च हो गये। अब तो मेरे पास ट्रेन के टिकट तक का पैसा नहीं है। कृपया आप 25 रुपये मुझे दे दीजिए। मैं वहां पहुंचते ही आपके रुपये भेज दूंगा।"

मन तो किया कि फौरन जवाब दे दूं, लेकिन ऐसा मैं कर नहीं पाया। मैंने पत्नी से पैसे मांगकर उमापती के हाथ पर रख दिए। इसके बाद वो चले गएं। एक हफ्ते के बाद फिर उमापति जी ने पत्र भेजा जिसमें लिखा था कि वो काम के सिलसिले में बाहर जा रहे हैं। वापस लौटकर रुपये भेजेंगे। पंद्रह दिनों के बाद मैंने एक पत्र लिखकर उनका हाल-चाल पूछा, लेकिन मेरे पत्र का कोई जवाब नहीं आया। मैंने पंद्रह दिनों के बाद फिर से पत्र लिखा और इस बार मैंने रुपयों के बारे में पूछा। इसका भी कोई जवाब नहीं आया।

एक महीने बाद मैंने फिर पत्र लिखा, लेकिन इस बार भी कोई जवाब न आया। मैं समझ गया था कि पत्नी ने जो भी कहा वो ही सच था। मैं निराश और चुप होकर बैठ गया। हालांकि, मैंने अपने इन पत्रों के बारे में अपनी पत्नी को कुछ नहीं बताया। उमापति के इस व्यवहार पर मुझ पर गहरा असर पड़ा।

फिर इसी महीने मेरे यंत्रलय में बिहार-प्रांत से एक कंपोजीटर आया था। 15 रु. मासिक पर मैंने उसे काम पर रख लिया था। वो पहले किसी अंग्रेजी स्कूल में पढ़ा करता था। किसी का सहयोग न मिल पाने की वजह से वो पढ़ाई छोड़ चुका था। उसके घरवालों ने उसकी मदद करने से मना कर दिया था। मजबूर होकर उसे यह नौकरी करनी पड़ी। उसकी उम्र वही कोई 17 से 18 साल रही होगी। उसका गंभीर स्वभाव था और उसके बातचीत करने का तरीका भी अच्छा था। यहां आने की तीसरे ही दिन उसे बुखार आ गया।

कुछ दिनों के बाद भी जब बुखार नहीं गया, तो उसे अपने घर की याद सताने लगी। उसने मुझसे कहा कि वह बीमार है। उसे कुछ रुपए मिल जाए तो वह घर चला जाएगा। फिर वह वहां पहुंचकर पैसों का इंतजाम करके मुझे भेज देगा। वह सच में बहुत बीमार था, लेकिन मैं पहले से ही पैसों के मामले में धोखा खाकर बैठा हुआ था। इसलिए मैंने उसे मना कर दिया। मेरी बातें सुनकर वो रोने लगा और मुझसे मदद की विनती करने लगा, लेकिन धोखे की चोट खाए बैठा मैं उसकी बातों को नजरअंदाज कर गया।

दुविधा भरी स्थिति में उसने फिर आकाश को देखा और वहां से चला गया। मुझे अंदर ही अंदर बुरा लगा, लेकिन जो मैंने निर्णय लिया था मैं उसी पर अड़ा रहा। मैंने मन में इस बात पर विचार करके संतोष कर लिया कि मैं कहां का ऐसा धनी हूं, जो पैसे बहाता रहूं।

वो लड़का मेरे पास से आंखों में आंसू लेकर गया था तब कार्यालय के एक क्लर्क जिनका नाम पं. पृथ्वीनाथ था। उन्होंने उसकी मदद कर दी। उन्होंने उसकी पूरी कहानी सुनकर उसे 15 रुपये दे दिए थे। जब मुझे इसकी जानकारी हुई तो मानो मेरे मन से कोई बोझ उतर गया हो। चलो अब वो बेचारा अच्छे से घर तो पहुंच ही जाएगा। यह सोचकर ही मुझे मुफ्त में ही संतोष मिल गया, लेकिन कुछ अपने किए पर भी मुझे शर्म आई। मैं बड़े-बड़े उपदेश दिया करता था, लेकिन आज अपनी ही जुबान से मुकर गया। पांचवें दिन पैसे आ गए। मेरी आंखे खोल देने वाली यह यातना मुझे शायद ही कभी मिली थी। खैर इस बारे में मैंने अपनी पत्नी को कुछ नहीं बताया था, वरना मेरा घर में मुश्किल हो जाता।

पूर्वकथित वृत्तांत को लिखकर मैंने पत्रिका में भेजवा दिया। मेरा मक़शद बस इतना था कि मैं लोगों को धोखेबाजी के इस कुपरिणाम का संदेश दूं। मुझे सपने में भी उम्मीद नहीं थी कि इसका मुझे कोई सीधा फल मिलेगा। फिर चौथे दिन 5 रुपये का मनीऑर्डर मेरे पास पहुंचा। मैं उसे देखकर इतना खुश हुआ कि मेरी खुशी की कोई सीमा नहीं थी। मनीऑर्डर भेजने वाला कोई और नहीं, बल्कि वही महोदय थे उमापति। भेजे गए कूपन पर सिर्फ क्षमा शब्द लिखा था। मैंने वो पैसे ले जाकर अपनी पत्नी को दे दिए और वो कूपन दिखाया।

पत्नी ने बड़े ही अनमने तरीके से मुझसे कहा कि "इसे ले जाकर अपनी अलमारी में रख लो। तुम ऐसे लोभी किस्म के इंसान हो मुझे नहीं मालूम था। कुछ पैसों के लिए इस तरह किसी के पीछे पड़ जाना अच्छी बात नहीं है। जब पढ़ा लिखा और विनयशील इंसान अपने वादे को पूरा न करे, तो समझना चाहिए वो मजबूर है। विविश हुए इंसान को इस तरह बेइज्जत करना सही नहीं है। मैं इन पैसों को तब तक नहीं रखूंगी, जब तक कि उमापति जी का कोई संदेश या पत्र नहीं आ जाता, जिसमें उनके रुपए भेजने की देरी का कारण लिखा हो।" हालांकि, उस वक्त मैं ऐसी महान बातें सुनने के लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं था। डूबे हुए रुपये मिल गए मैं उसी खुशी से फूले नहीं समा रहा था।

कहानी से सीख

मुंशी प्रेमचंद की इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि व्यक्ति को किसी के लिए भी तुरंत राय नहीं बना लेनी चाहिए।

New Delhi

ट्रेन में बिना टिकट यात्रा पर अब दोगुना जुर्माना, 13 साल बाद बदले नियम, एक जुलाई से होंगे लागू

नई दिल्ली, (एजेंसी) ट्रेन में बिना टिकट यात्रा करते हुए पकड़े जाने पर अब पहले की तुलना में दोगुना जुर्माना देना होगा। अभी बेटिकट यात्रा करने पर यात्री से पूरा किराया वसूला जाता है और 250 रुपये जुर्माना लगाया जाता है। रेलवे की ओर से की गई नई व्यवस्था में यह जुर्माना बढ़ाकर 500 रुपये कर दिया गया है। नया नियम एक जुलाई से लागू होगा। नियम में यह बदलाव करीब 13 साल बाद किया गया है। इससे पहले वर्ष 2013 में जुर्माना 50 रुपये से बढ़ाकर 250 रुपये किया गया था। रेलवे बोर्ड ने इसके अलावा कुछ और नियम भी बदले हैं।

रेलवे के अनुसार, कोई यात्री किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर बुक किए गए टिकट पर यात्रा करते हुए पकड़ा जाता है, तो उसका टिकट जब्त कर लिया जाएगा। साथ ही उससे पूरा किराया और 500 रुपये जुर्माना वसूला जाएगा। इसके अलावा महिला कोच में प्रवेश करने वाले पुरुष यात्रियों पर 2,500 रुपये तक का जुर्माना तय किया गया है।

अदालत पहुंचा मामला तो जुर्माने के साथ जेल का भी प्रावधान

अधिकारियों ने बताया कि नये नियम जनविश्वास अधिनियम के तहत लागू किए जा रहे हैं। इनका मकसद बिना टिकट यात्रा तथा टिकट के दुरुपयोग को रोकना है। जुर्माना नहीं भरने की स्थिति में मामला अदालत में भेजा

Maharashtra

कुछ लोग कुत्ते तो होते हैं, लेकिन वफादार नहीं, बागी सांसदों पर भड़के संजय राउत

मुंबई, (एजेंसी) महाराष्ट्र की राजनीति में शिवसेना के दोनों गुटों के बीच जारी जुबानी जंग अब और भी तेज और चुभाने वाली हो गई है। उद्धव ठाकरे गुट के 6 लोकसभा सांसदों के एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल होने की अटकलों के बीच शनिवार को राज्यसभा सांसद और यूबीटी नेता संजय राउत ने सोशल मीडिया पर एक बेहद तीखा और परोक्ष हमला बोला है। संजय राउत ने एक तस्वीर शेयर की जिस पर हिंदी में लिखा था, "कुछ लोग कुत्ते तो होते हैं, लेकिन वफादार नहीं होते।" इस पोस्ट को शेयर करते हुए राउत ने कैप्शन में लिखा, "जय महाराष्ट्र!" संजय राउत का यह पोस्ट ऐसे समय में आया है जब उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले गुट को 2022 की ऐतिहासिक बगावत के बाद पार्टी में दूसरे सबसे बड़े विभाजन के खतरे का सामना करना पड़ रहा है। शिवसेना (UBT) का यह संकट गुरुवार को उस समय और गहरा गया जब नई दिल्ली में संसद भवन परिसर में बुलाई गई संसदीय दल की महत्वपूर्ण बैठक से पार्टी के 9 लोकसभा सांसदों में से 6 गायब रहे। इस बैठक में केवल अरविंद सावंत, अनिल देसाई और राजाभाऊ वाजे ही शामिल हुए थे। बैठक से नदारद रहने वाले बागी सांसदों में नागेश पाटिल-आष्टीकर, संजय देशमुख, संजय जाधव, संजय दीना पाटिल, ओमप्रकाश राजे निंबालकर और भाऊसाहेब वाकचौरे शामिल हैं। इस पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए संजय राउत ने पत्रकारों से कहा, 'ये लोग जो खुद को शिवसैनिक कहते थे, कायर हैं।

Paschim bangal

जहांगीर खान की पत्नी को पुलिस ने किया अरेस्ट, पुलिस पर पथराव के बाद चल रही थी फरार

कोलकाता, (एजेंसी) पश्चिम बंगाल में टीएमसी के नेता जहांगीर खान की गिरफ्तारी के बाद अब उनकी पत्नी रेजिना बीबी उर्फ सरिना को भी पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है. दक्षिण 24 परगना से हुई इस कार्रवाई के पीछे आरोप है कि उन्होंने पति की गिरफ्तारी के विरोध में फलता इलाके में कई प्रदर्शन आयोजित किए थे. पुलिस का कहना है कि इन गतिविधियों से इलाके की कानून-व्यवस्था प्रभावित होने का खतरा पैदा हो गया था. इसी मामले में उनके खिलाफ पहले ही केस दर्ज किया गया था. दरअसल, कुछ दिन पहले पुलिस ने टीएमसी नेता जहांगीर खान को गिरफ्तार किया था. गिरफ्तारी के बाद उन्हें रस्सी बांधकर इलाके में ले जाने का वीडियो भी सामने आया था. इस घटना के बाद उनके समर्थकों में नाराजगी फैल गई. विरोध में कई जगह रास्ते जाम किए गए और इलाके में तनाव का माहौल बन गया. पुलिस का आरोप है कि इसी दौरान थाने के घेराव और बड़े पैमाने पर प्रदर्शन की तैयारी भी की गई थी. पुलिस के मुताबिक, फलता में बड़ी संख्या में लोगों को इकट्ठा किया गया था.

Punjab

विदेशी हैंडलर्स से जुड़े गैंग का पंजाब पुलिस ने किया भंडाफोड़, 4 आरोपी गिरफ्तार

जालंधर, (एजेंसी) पंजाब पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है. जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने जबरन वसूली और फायरिंग की वारदातों में शामिल एक गैंग के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है. शुरुआती जांच में सामने आया है कि ये आरोपी विदेश में बैठे हैंडलर्स के इशारे पर काम कर रहे थे और जालंधर व एसबीएस नगर में कई फायरिंग घटनाओं की साजिश रचने और उन्हें अंजाम देने में शामिल थे. पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तीन आधुनिक पिस्तौल और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं.

मामले में एफआईआर दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है, जिससे पूरे नेटवर्क और इसके अन्य सदस्यों का पता लगाया जा सके. पुलिस के पता चला है कि आरोपी विदेश में बैठे हैंडलर्स के कहने पर काम कर रहे थे, जालंधर और SBS नगर जिलों में फायरिंग की कई घटनाओं की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने में शामिल थे.

PS भार्गो कैंप, जालंधर कमिश्नरेट में FIR दर्ज की गई है. इस नेटवर्क के पिछले और आगे के कनेक्शन का पता लगाने और इसमें शामिल अन्य साथियों की पहचान करने के लिए आगे की जांच जारी है.

खेल

मेजबान अमेरिका के आगे बेबस दिखा ऑस्ट्रेलिया 2-0 की जीत के साथ राउंड-ऑफ-32 में पहुंची टीम

सिएटल, (एजेंसी) फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-डी मुकाबले में अमेरिका ने ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की और राउंड ऑफ 32 यानी अगले दौर में अपनी जगह पक्की कर ली। सिएटल स्टेडियम में खेले गए टूर्नामेंट के 32वें मैच में अमेरिकी टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और पहले हाफ में ही दो गोल दागकर मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली।

मैच के 11वें मिनट में अमेरिका को पहला गोल मिला। फोलारिन बालोगुन के लो क्रॉस को क्लियर करने की कोशिश में ऑस्ट्रेलिया के डिफेंडर कैमरन बर्गेस से आत्मघाती गोल हो गया। इस गोल ने अमेरिका को 1-0 की बढ़त दिला दी और ऑस्ट्रेलियाई टीम पर दबाव बढ़ गया।

पहले हाफ के अंतिम क्षणों में अमेरिका ने अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। 43वें मिनट में सर्जिनो डेस्ट के प्रयास के बाद मिले मौके पर एलेक्स फ्रीमैन ने बॉक्स के अंदर शानदार हेडर लगाकर गेंद को गोल में पहुंचा दिया। गोल को लेकर वीडियो रिव्यू किया गया, लेकिन रेफरी ने गोल को वैध करार दिया। इसके साथ ही अमेरिका ने हाफ-टाइम तक 2-0 की मजबूत बढ़त बना ली।

दो गोल से पिछड़ने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे हाफ में वापसी की कोशिश की और कुछ अच्छे हमले भी किए, लेकिन अमेरिकी रक्षा पंक्ति के सामने उसे सफलता नहीं मिली। अमेरिका ने मैच के अंतिम समय तक बढ़त बनाए रखी और ऑस्ट्रेलिया को कोई मौका नहीं दिया।

इस जीत के साथ अमेरिका ने ग्रुप-डी में लगातार दूसरी जीत हासिल की और राउंड ऑफ 32 के लिए क्वालिफाई कर लिया। विश्व कप इतिहास में यह सिर्फ दूसरा मौका है जब अमेरिकी टीम ने अपने अभियान की शुरुआत लगातार दो जीत के साथ की है। वहीं ऑस्ट्रेलिया के लिए यह हार आगे की राह को मुश्किल बनाने वाली साबित हो सकती है।

सिनेमा

यशोदा का नंदलाला...इस मशहूर गीतकार ने लिखा था मां की तड़प का ये गाना, 40 साल बाद भी बच्चों का फेवरेट

1985 में एक फिल्म आई थी संजोग। इस फिल्म में जया प्रदा, जीतेंद्र की हिट जोड़ी ने साथ काम किया था। इससे पहले भी दोनों को कई फिल्मों में साथ देखा गया था। लेकिन संजोग एक अलग और इमोशनल कर देने वाली फिल्म थी। फिल्म में जया प्रदा डबल रोल में थीं। कहानी एक मां और उसके मर चुके बच्चे के दर्द की थी। इस दर्द को अगर गानों में पिरो दिया जाए तो कहानी ऑडियंस की आत्मा में उतर जाएगी। फिल्म का एक गाना दशकों से मां और बच्चे के प्रेम और बच्चों के लिए लोरी का काम कर रहा है। वो गाना है 'यशोदा का नंदलाला ब्रिज का उजाला है'। फिल्म संजोग में प्रदा का किरदार अपने बेटे को एक दुर्घटना में खो देती है। लेकिन ये मां की ममता ही थी कि वो कभी यकीन ही नहीं कर पाई कि बेटा अब नहीं है। वो गुड्डे को अपना बेटा समझती, उससे खेलती, उसके साथ हंसती और रोती। दुनिया की नजर में वो पागल हो चुकी थी। डबल रोल में जया प्रदा अपनी ही मां को अपना बेटा दे देती है। इस फिल्म ने ऑडियंस को खूब रुलाया। इसी फिल्म में एक गाना बजता है जब यशोधरा पागलखाने में गुड्डे को अपना बेटा गीत गाती है, 'यशोदा का नंदलाला ब्रिज का उजाला है मेरे लाल से तो सारा जग जगमगाया'।

Highlights

1. Five-year-old boy killed as compound wall collapses during play
2. Bihar labourer dies after fall from under-construction building
3. What is FATF, whose vice presidency India assumed for the 1st time?
4. Delhi launches fogging drive as dengue cases reach 162
5. What gifts did PM Modi give to world leaders at G7 Summit?
6. Sanjay Raut shares 'Some are dogs, but not loyal' post amid rebellion in Sena(UBT)

Crude Oil Prices Edge Higher As Delay In JD Vance's Switzerland Trip Postpones Next Round Of Iran Talks

NEW DELHI, (Agency). Crude oil prices posted modest gains on Friday as uncertainty emerged over the next phase of negotiations between the United States and Iran following a delay in US Vice President JD Vance's planned trip to Switzerland.

The global benchmark Brent crude rose around 0.3 percent to trade above the $80-per-barrel mark. US benchmark West Texas Intermediate (WTI) crude also gained 0.5 percent to $76.28 per barrel during Asian trading hours.

Oil prices had declined earlier this week after the United States and Iran signed a peace memorandum aimed at ending the 15-week conflict in West Asia.

Vance was expected to travel to Switzerland to lead the next round of discussions with Iran. However, the White House said the trip had been delayed, without providing a reason for the change.

The peace memorandum paved the way for the reopening of the Strait of Hormuz, a critical shipping route that handles nearly 20 percent of the world's oil supply from the Gulf region.

The waterway had remained largely disrupted since the conflict began in late February. Following the agreement, commercial shipping activity through the strait has resumed.

The document, titled the "Islamabad Memorandum of Understanding between the United States of America and the Islamic Republic of Iran," was signed by US President Donald Trump and Iranian President Masoud Pezeshkian on Wednesday.

Under the agreement, Iran committed to using its best efforts to ensure the safe passage of commercial vessels through the Strait of Hormuz without imposing additional charges.

The memorandum also outlines a framework to end hostilities across multiple fronts, including Lebanon. However, Israel has indicated that it will continue military operations against Hezbollah, potentially creating new challenges for the broader peace process.

According to Al Jazeera, the Israeli military acknowledged carrying out several strikes in southern Lebanon, stating that the operations were in response to alleged ceasefire violations by Hezbollah.

Karo Sambhav raises Rs 56 crore from Rainmatter to scale critical mineral recovery

NEW DELHI, (Agency). Gurugram-based circular economy and recycling startup Karo Sambhav has raised Rs 56 crore in a Pre-Series A funding round from Rainmatter by Zerodha to expand its recycling infrastructure and strengthen recovery of critical and precious materials from e-waste and allied waste streams, the company said in a media statement on June 18. Founded in 2017 by Pranshu Singhal, Karo Sambhav has operated as a bootstrapped company for nine years. It currently runs two recycling facilities, has established collection channels across more than 50 cities in India and has channelised over 150,000 metric tonnes of waste for responsible recycling. The fresh capital will be used to build high-quality recycling infrastructure focused initially on e-waste, which contains valuable metals and components. The company said its planned infrastructure has received Eligibility Status under the Incentive Scheme for Promotion of Critical Mineral Recycling under the National Critical Minerals Mission (NCMM) of the Ministry of Mines. "Rainmatter by Zerodha backs organisations building long-term solutions for climate resilience, sustainability and resource efficiency. Karo Sambhav has demonstrated patient execution and systems-level impact in a difficult sector," said Viraj Joshi, vice president at Zerodha and Rainmatter.

शादी से पहले की जांच हो या किसी कोर्ट केस से संबंधित सबूतों की जरूरत....

व्यक्तिगत-व्यापारिक जीवन में कोई शंका या सबूत की जरूरत.....

कहीं किसी के द्वारा धोखा या छल तो नहीं किया जा रहा...

जांचिए ! परखिये !!

ऐसे सारी परिस्थितियों के लिए

"डिटेक्टिव" को अपना मित्र बनाए ...

गोपनीयता और विश्वनीयता के साथ जांच करवाएं.....तब निर्णय करें।

समाज में जागरुकता फैलाये।

FOLLOW US

DETECTIVE GROUP

Detecting the truth.

091110 50101 | www.detectivegroup.in | www.detectivesgroup.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक